उत्तर तट से तारली की असामान्य पकड

महाराष्ट्र से उड़ीसा तक के समुद्र तटों में तारली की उपस्थिति देखी जाती है। केरल और कर्नाटक के तटों में झुंडों में ये पाए जाते हैं जिस से ये परंपरागत वाणिज्यक मात्स्यिकी के रूप में विकसित हुई हैं। पूर्व तट में तारली बहुत कम देखी जाती थी। हाल के पकड में तारली को देखने लगा है। इस रिपोर्ट में पूर्व तट की तारली का स्थिति-विवरण दिया जाता है।

राज्यवार उत्पादन

तारली का राज्यवार अवतरण जो पिछले 26 वर्षों 1961-86 का है। सारणी 1 में दिया गया है। सारणी से वक्त होता है। 1961 के दौरान कि पूर्व तट में तारणी नहीं के बराबर था बाद में बढने लगा है। इस दौरान 85% तारली का योगदान तमिलनाडु से, 11% आंध्राप्रदेश से और बाकी 4% उडीसा से हुआ है।

भविष्य

तारली पकड से अनुमानित है कि पूर्व तटीय मेखला जहाँ से ये ज्यादा प्राप्त होता है वहाँ इनके ज्वारीय पश्चजलों से संबंध दिखाया पडता है।

तारली की असामान्य पकड

पत्रव्यवहार

जी. लूथर

सी एम एफ आर आइ विशाखपट्टणम अनुसंधान केंद्र, आंध्रा प्रदेश

सारणी - पूर्व तट में 1961-86 के दौरान तारली का राज्यवार अवतरण (टन में)

वर्ष	उडीसा	आंध्राप्रदेश	तमिलनाड एवं पेन्डिच्चेरी	कुल
1961	-	-	1	1
1962	-	-	-	-
1963	-	-	1	1
1964	-	-	134	134
1965	-	-	32	32
1966	-	61	37	98
1967	-	-	32	32
1968	-	-	412	412
1969	247	-	18	265
1970	-	-	46	46
1971	2	-	45	47
1972	-	-	146	146
1973	38	125	45	208
1974	4	564	-	568
1975	-	131	-	131
1976	-	112	-	112
1977	-	-	714	714
1978	-	-	36	36
1979	-	-	1,011	1,011
1980	-	-	320	320
1981	-	-	195	195
1982	-	-	1,084	1,084
1983	-	-	1,461	1,461
1984	539	-	2,115	2,654
1985	96	263	4,270	4,629
1986	12	1,255	7,890	9,157
कुल	938	2,511	20,045	23,494
प्रतिशत	3.99	10.69	85.32	